देशभर से पधारे संतों की चरण रज से महक उठा शांतिवन

प्लेटिनम जुबली के स्वागत सत्र में विभिन्न देशों से पहुंचे प्रतिनिधि

आबूरोड, ४ नवम्बर, निसं। ब्रह्माकुमारीज संस्था के गौरवशाली ७५ वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में इन्द्रधनुषी सजावट से उभरे शांतिवन में आयोजित प्लेटिनम जुबली महोत्सव के स्वागत सत्र में डायमंड हॉल के सुसज्जित मंच पर विभिन्न क्षेत्रों से आये संत सुशोभित हुए। स्वागत गीत के बाद नुपुर नृत्य अकादमी बीदर की छात्राओं ने स्वागत नृत्य झूम-झूम कर हम गा रहे आज स्वागत गान प्रस्तुत किया। स्वागत संबोधन में संस्थान के सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशक ब्र. कु. करूणा ने ७५ वर्षो की गौरवमयी यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक ही ईश्वर और समूचे विश्व को एक कुटुम्ब को मानते हुए सदभावना का संदेश सर्वत्र प्रसारित करने के लिए ही प्लेटिनम जुबली समारोहों की श्रृंखला प्रारम्भ की गयी है। यूरोपीय देशों में संस्था की निदेशिका ब्र. कु जयंती ने स्वागत संबोधन के साथ-साथ प्लेटिनम जुबली के विभिन्न पक्षों को उजागर किया।

हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री राव नरेन्द्र सिंह, सांसद देवजी भाई पटेल व करन जी मठ बेलगाँव के गुरूसिद्ध महास्वामी ने संस्था के इस प्रयास की भरपूर सराहना करते हुए कहा कि पूरे विश्व में महिलाओं द्वारा संचालित एकमात्र संस्था ब्रह्माकुमारीज ने विश्व शांति एवं सदभाव की स्थापना का जो बीड़ा उठाया है उसे एक महायज्ञ मानते हुए जाति, धर्म, समुदाय, राजनीतिक विचारधारा की संकीर्णताओं से उपर उठकर सभी को इसमें आहूति डालनी चाहिए। विश्व जिस दौर से गुजर रहा है उसमें ऐसे प्रयासों का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। संस्था की भागीरथी प्रयासों को सर्वत्र समर्थन एवं सहयोग मिले इसके लिए उन्होंने अपनी शुभकामनायें दी।

समारोह की एक विशेषता यह भी रही कि संस्था की ९५ वर्षीय मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने बड़प्पन एवं विनम्रता का मिश्रण प्रस्तुत करते हुए प्रत्येक संत के पास जाकर उनका अभिवादन किया और यहाँ पधारने पर आभार जताया। संतों से दादीजी का परिचय संस्था के कार्यकारी सचिव ब्र. कु. मृत्युंजय ने कराया। संस्था महासचिव ब्र. कु. निर्वैर, बीबीसी लंदन की पूर्व वरिष्ठ पत्रकार डेनिस लारेंस, ब्र. कु. मोहिनी, ब्र. कु. मुन्नी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

फोटो, ४एबीआरओपी, १, २, ३ मंच पर विराजमान संत एवं अन्य वरिष्ठ अतिथि तथा स्वागत नृत्य प्रस्तुत करती बीदर की कन्यायें।